>

Title: Regarding issues concerning pending works of Narmada Canal Project in Rajasthan.

श्री देवजी एम. पटेल (जालौर): उपाध्यक्ष महोदय, मैं राजस्थान के जालौर जिले से आता हूँ। वहाँ पानी की बहुत बड़ी समस्या है। उस समस्या के निराकरण के लिए वहाँ नर्मदा नहर आई हुई है जिसकी प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृति 1541.36 करोड़ रुपये हुई थी। जुलाई, 2009 तक 1424.44 करोड़ रुपये खर्च हो गए। उसमें कुल सिंचित क्षेत्र जो आ रहा है, वह 2,46,000 हैक्टेयर ज़मीन आ रही है, जिसके तहत जालौर जिले में साचो क्षेत्र में 1,63,000 हैक्टेयर ज़मीन और बाड़मेर जिले की 83,000 हैक्टेयर ज़मीन सिंचित होगी। उसके ऊपर 14 वितरिका और 246 माइनरें हैं, लेकिन अभी तक उन माइनरों के कार्य पूरे नहीं होने के कारण नर्मदा नहर से सब जगहों पर पानी नहीं पहुँच पा रहा है। मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करना चाहूँगा कि जो बजट कम पड़ रहा है, उसके लिए कोई कार्रवाई करके समूचे जालौर जिले में नर्मदा का पानी पहुँचाएँ जिससे वहाँ के लोगों के जो पीने के पानी की समस्या है और सिंचाई की समस्या है, उसमें नर्मदा का पानी आशा की किरण जगाएगा। मैं आपके माध्यम से सरकार को यह भी बताना चाहूँगा कि वहाँ की जो डिक्कियाँ हैं जिनमें पानी की मोटरें लगी हैं, वे आईएसआई मार्क की न होकर किसी लोकल कंपनी की बनी हुई होने के कारण हमेशा जल जाती हैं जिसके कारण किसानों को बहुत समस्या होती है। अतः सरकार से निवेदन है कि इसकी जाँच करवाएँ और नर्मदा का पानी शीघ्र पूरे जालौर जिले में पहुँचाने की व्यवस्था करवाएँ।